an>

Title: Regarding construction of a new Head Post Office building in Farrukhabad in Uttar Pradesh.

श्री मुकेश राजपूत (फरूखाबाद) : आपने मुझे जीरो आवर में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका अत्यंत आभारी हूं। भारतवÂान में संचार क्षेत्र के सबसे बड़े नेटवर्क डाकघरों में से कुछ डाकघर की दशा बहुत दयनीय है। इसमें बहुत सुधार की आवश्यकता है। संचार क्रांति के युग में हमारे कुछ डाकघर भवनों की हालत बहुत ही जर्जर और जीर्ण-क्षीण है। जिसके कारण डाकघरों में कार्यरत कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से काम करने में अक्षम हैं और सदैव सशंकित रहते हैं कि कहीं छत का प्लास्टर उनके ऊपर न गिर जाए। कम्प्यूटर रूम में सदैव सीलन बनी रहती है, इसके कारण कम्प्यूटर के भी शीघ्र खराब होने के चांस रहते हैं और धन की भी काफी बर्बादी होती है।

मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी कहना चाहता हूं, मेरे संसदीय क्षेत्र में मुख्य डाकघर फतेहगढ़ में बरसात के समय पानी टपकता है। वहां कई पत्र अल्प बचत से संबंधित रखे रहते हैं, उनके खराब होने की आशंका बनी रहती है और कर्मचारी भी पूर्ण रूप से काम नहीं करते हैं। मेरी आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से मांग है कि देश में ऐसे जितने भी डाकघर जीर्ण-क्षीण स्थिति में हैं, उन्हें ठीक कराने का काम करें।

माननीय अध्यक्ष: श्री रोडमल नागर, श्री सुधीर गुप्ता, श्री सी.पी. जोशी, कुँवर पुÂपेन्द्र सिंह चन्देल और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री मुकेश राजपूत द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।